चतुर्शोऽनुवाकः।

देवं बर्षिः। वसुवने वसुधेयस्य वेतु। देवीर्दारः। वसुवने वसुधेयस्य वियन्तु। देवी उषासानक्ता। वसु-वने वसुधेयस्य वीताम। देवी जोष्ट्री। वसुवने वसुधेयस्य वीताम। देवी जर्जाह्रती। वसुवने वसुधेयस्य वीताम्॥ ॥ १॥

देवा देवा होतारा। वसुवने वसुधेयस्य वीताम्। देवीस्तिसस्तिसे देवीः। वसुवने वसुधेयस्य वियन्तु। देवा नराश्यसः। वसुवने वसुधेयस्य वेतु। देवा वनस्यतिः। वसुवने वसुधेयस्य वेतु। देवं बर्हिवारितीनाम्। वसुन् वने वसुधेयस्य वेतु॥ २॥

देवा श्रिप्तः स्विष्टकत्। सुद्रविणा मन्द्रः कृविः।
सत्यमन्त्रायजी होता। होतुं हीतुरायजीयान्। श्रिप्ते
यान्देवानयाट्। या श्रिपप्रेः। ये ते होचे श्रमत्सतः।
ताः समनुषीः होचां देवङ्गमाम्। दिविद्वेषु यज्ञमर्यमम्। स्विष्टकचामे होताभूः॥ वसुवने वसुधेयस्य नमोवाके वीहि॥ ॥

वोतां वेत्वभूरेकच्च ॥ अनु॰ १४॥